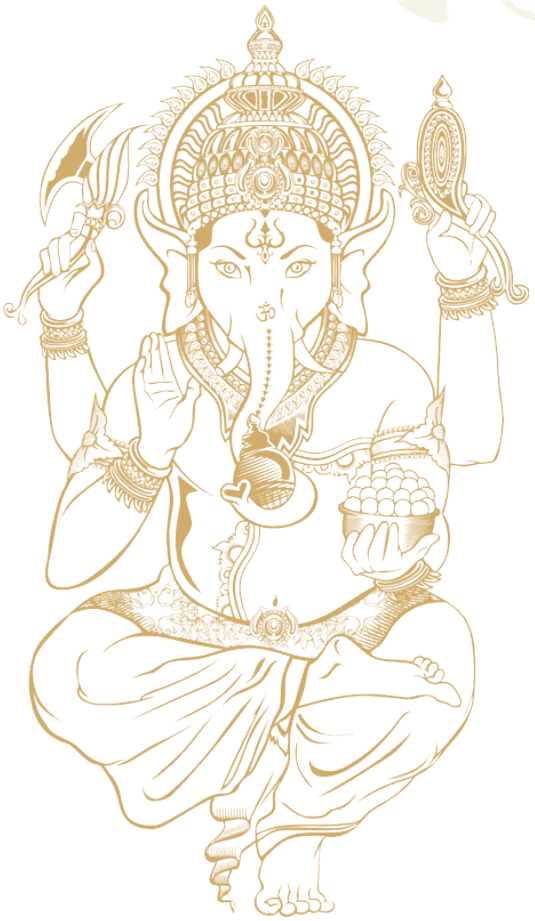

Ridhi Sharma

27 Oct 2001

04:22 PM

Theog

Model: web-freekundliweb

Order No: 121357606

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/10/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:22:00 घंटे**
इष्ट	24:34:40 घटी
स्थान	**Theog**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:07:00 उत्तर
रेखांश	77:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:01:24 घंटे
वेलान्तर	00:16:09 घंटे
साम्पातिक काल	18:24:53 घंटे
सूर्योदय	06:32:08 घंटे
सूर्यास्त	17:36:36 घंटे
दिनमान	11:04:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:12:39 तुला
लग्न के अंश	15:16:28 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:16:28	528:40:27	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			तुला	10:12:39	00:59:52	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	16:28:20	11:53:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	05:56:20	00:41:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध			कन्या	22:02:04	00:44:01	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:45:03	00:01:14	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	20:59:52	01:14:47	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:16:08	00:03:08	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	04:59:21	00:07:03	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
केतु	व		धनु	04:59:21	00:07:03	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:02:14	00:00:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:08:23	00:00:19	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:45:20	00:01:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	11:49:40	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:39

लग्न-चलित

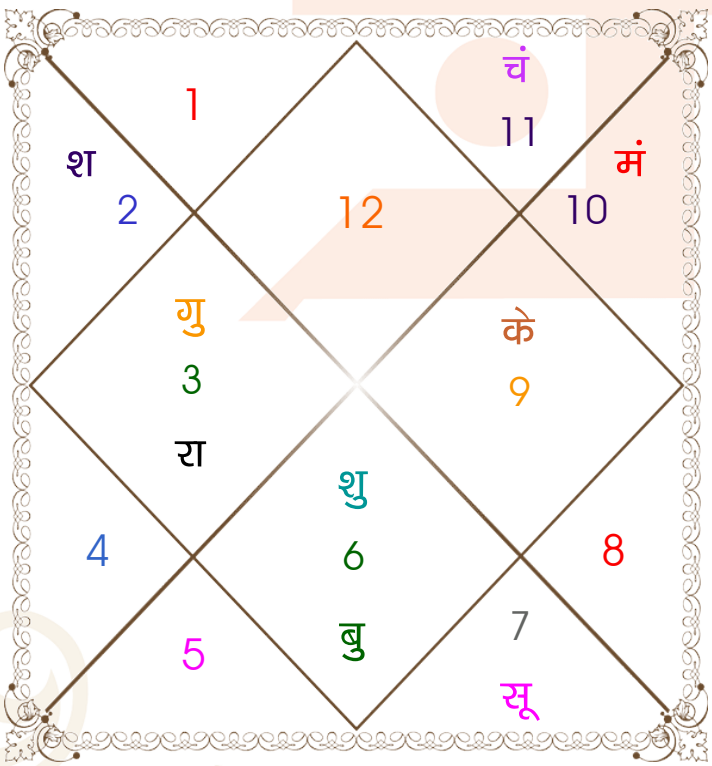

चन्द्र कुंडली

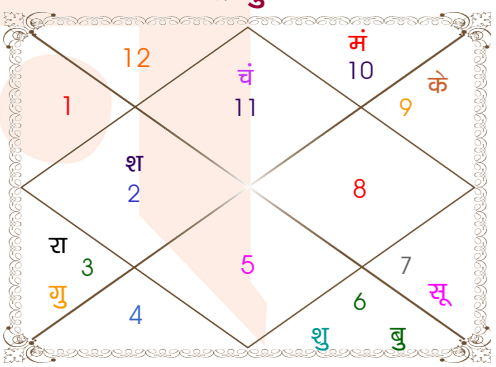

नवमांश कुंडली

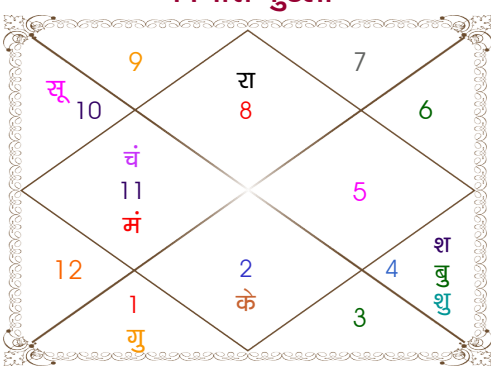

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 9 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/10/2001		02/08/2006		02/08/2022		01/08/2041		02/08/2058	
02/08/2006		02/08/2022		01/08/2041		02/08/2058		01/08/2065	
	00/00/0000	गुरु	19/09/2008	शनि	04/08/2025	बुध	29/12/2043	केतु	29/12/2058
	00/00/0000	शनि	02/04/2011	बुध	14/04/2028	केतु	25/12/2044	शुक्र	28/02/2060
	00/00/0000	बुध	08/07/2013	केतु	23/05/2029	शुक्र	26/10/2047	सूर्य	05/07/2060
	00/00/0000	केतु	14/06/2014	शुक्र	23/07/2032	सूर्य	01/09/2048	चंद्र	03/02/2061
	27/10/2001	शुक्र	12/02/2017	सूर्य	05/07/2033	चंद्र	31/01/2050	मंगल	02/07/2061
शुक्र	19/02/2003	सूर्य	01/12/2017	चंद्र	03/02/2035	मंगल	28/01/2051	राहु	20/07/2062
सूर्य	13/01/2004	चंद्र	02/04/2019	मंगल	14/03/2036	राहु	17/08/2053	गुरु	26/06/2063
चंद्र	14/07/2005	मंगल	08/03/2020	राहु	19/01/2039	गुरु	22/11/2055	शनि	04/08/2064
मंगल	02/08/2006	राहु	02/08/2022	गुरु	01/08/2041	शनि	02/08/2058	बुध	01/08/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/08/2065		01/08/2085		02/08/2091		02/08/2101		02/08/2108	
01/08/2085		02/08/2091		02/08/2101		02/08/2108		00/00/0000	
शुक्र	01/12/2068	सूर्य	19/11/2085	चंद्र	01/06/2092	मंगल	30/12/2101	राहु	15/04/2111
सूर्य	01/12/2069	चंद्र	21/05/2086	मंगल	31/12/2092	राहु	17/01/2103	गुरु	08/09/2113
चंद्र	02/08/2071	मंगल	25/09/2086	राहु	02/07/2094	गुरु	24/12/2103	शनि	15/07/2116
मंगल	01/10/2072	राहु	20/08/2087	गुरु	01/11/2095	शनि	01/02/2105	बुध	01/02/2119
राहु	02/10/2075	गुरु	07/06/2088	शनि	01/06/2097	बुध	29/01/2106	केतु	20/02/2120
गुरु	02/06/2078	शनि	20/05/2089	बुध	01/11/2098	केतु	27/06/2106	शुक्र	28/10/2121
शनि	01/08/2081	बुध	27/03/2090	केतु	02/06/2099	शुक्र	27/08/2107		00/00/0000
बुध	01/06/2084	केतु	02/08/2090	शुक्र	01/02/2101	सूर्य	02/01/2108		00/00/0000
केतु	01/08/2085	शुक्र	02/08/2091	सूर्य	02/08/2101	चंद्र	02/08/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 9 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।